त्रशि़ूर पूरम

स्रोत: द हिंदू

हाल के एक फैसले में केरल उच्च न्यायालय ने त्रशि़ूर पूरम उत्सव के दौरान हाथियों एवं कलाकारों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिये निर्देश जारी किये हैं।

- त्रशि़ूर पूरम **केरल के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सार** का एक भव्य उत्सव है।
- **मलयालम महीने मेडम (अप्रैल-मई)** में मनाया जाने वाला पूरम, त्रशि़ूर के थेक्कक्किडु मैदानम में आयोजित किया जाता है और इसे सभी**पूरम (वार्षिक त्योहार) की जननी** माना जाता है।
- इसकी **शुरुआत कोचीन के महाराजा (1790-1805) सक्थन थंपुरन के नाम से मशहूर राजा राम वर्मा ने** 10 अलग-अलग मंदिरों की भागीदारी के साथ की थी।
- पारंपरिक पोशाक और पारंपरिक ऑर्केस्ट्रा संगीत से सज़े राजसी हाथी उत्सव का हिस्सा हैं।
- त्रशि़ूर पूरम से पहले **अराट्टुपुझा पूरम केरल** का सबसे बड़ा त्योहार था।

//

और पढ़ें: त्रशि़ूर पूरम